



माइक्रो प्लास्टिक हालांकि इंसान का अपेक्षाकृत नूतन अविष्कार है, लेकिन, पृथ्वी के हरेक इकोसिस्टम में इसने घुसपैठ कर ली है। वैज्ञानिकों को मिट्टी, नदी, भोजन, बोटल बंद पानी और मानव शरीर में माइक्रो प्लास्टिक के अंश मिल चुके हैं। अब स्लोवाकिया की युनिवर्सिटी ऑफ प्रेशोव के वैज्ञानिकों की एक टीम ने पहली बार "प्लांट लीफ एक्सिस्स" (पौधे के तने का वो भाग जहाँ से पत्ता विकसित होता है) में भी माइक्रो प्लास्टिक पाया है। शोधकर्ताओं को ईस्टर्न स्लोवाकिया के छोटे-छोटे तालाबों में रहने वाले सूक्ष्म जीवों का अध्ययन करते समय गोखरु की पत्तियों के एक्सिल, जहां पत्ती शाख से जुड़ी होती है, में माइक्रो प्लास्टिक मिला। गोखरु (टीजल) की पत्तियां इस तरह से उगती हैं कि एक प्याला सा बन जाता है जिसे टैलमाटा कहते हैं, इसमें पानी एकत्रित होता है। वैज्ञानिकों को हैरानी हुई, जब उन्हें टैलमाटा में अलग-अलग रंग के सूक्ष्म टुकड़े व रेशे मिले, जिनकी पहचान बाद में माइक्रो प्लास्टिक के रूप में की गई। शोधकर्ताओं ने लिखा कि, "टीजल फायटोटैलमाटा" काफी आम किन्तु उपेक्षित "एकैवैटिक माइक्रोकॉज्म" हैं जो तीन या चार माह के लिए ही नजर आते हैं। ये बहुत छोटे होते हैं और इनका जीवनकाल बहुत छोटा होता है। सवाल यह है कि इतनी कम अवधि में भी उनमें माइक्रो प्लास्टिक प्रदूषण कैसे हुआ? चूंकि, आसपास के पर्यावरण में प्रदूषण का कोई स्रोत नहीं मिला। इसलिए सर्वाधिक संभावना यही लगती है कि, प्रदूषित वातावरण से माइक्रो प्लास्टिक आया होगा। हालांकि शोधकर्ताओं का कहना है कि, दूसरा स्पष्टीकरण यह हो सकता है कि, स्लेक्स (पौधे) अपने शरीर के अंदर या ऊपर जमीन से या अन्य पौधों से माइक्रोप्लास्टिक लाए होंगे। वैज्ञानिकों ने कहा, "छोटे-छोटे अस्थायी तथा पौधों द्वारा सृजित जलाशयों में माइक्रोप्लास्टिक मिलना इस बात का सबूत है कि, इस तरह का प्रदूषण विभिन्न तरीकों से फैलता है और पृथ्वी का कोई भी पर्यावरण इनसे सुरक्षित नहीं है। दूसरी ओर टीजल फायटोटैलमाटा पर रिसर्च के हमारे नतीजे बेहद असाधारण हैं तथा इसमें आगे रिसर्च की गई संभावनाएं हैं।"

‘सचिन पायलट की उम्र में गहलोट मुख्यमंत्री बन गए थे’

गुढ़ा ने इस संदर्भ में यह भी कहा कि, उस समय परसराम मदेरणा, नवल किशोर शर्मा सहित 20 से 30 नेताओं को साइडलाइन करके एक लाइन के प्रस्ताव से सी.एम. बनाया गया था गहलोट को

जयपुर, 17 अक्टूबर (का.प्र.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोट की ओर से युवा नेताओं की रणडौड़ की बातों को लेकर जहां तंज कसे गए, वहीं मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने इन बातों का जवाब दिया। इसी के साथ गुढ़ा ने यह भी कहा कि "बहुत जल्द सचिन पायलट का टाइम आने वाला है।"

गहलोट की ओर से बार-बार उम्र को लेकर बातें कहे जाने के बाद गुढ़ा ने कहा कि सचिन पायलट की उम्र में गहलोट मुख्यमंत्री बन गए थे। उनके जमाने में परसराम मदेरणा, नवलकिशोर शर्मा सहित 20 से 30 नेताओं को साइडलाइन करके एक लाइन के प्रस्ताव से गहलोट को सीएम बनाया गया था। गहलोट पहली बार सीएम बने तो काम भी अच्छा किया, क्योंकि नौजवान थे तो काम अच्छा किया।

गुढ़ा ने कहा कि "अनुभव को साइडलाइन नहीं

■ उन्होंने कहा, अनुभव को साइडलाइन नहीं कर सकते, लेकिन यूथ को भी साइडलाइन नहीं कर सकते। आदि शंकराचार्य ने 33 साल की उम्र में नाम किया, विवेकानंद 36 साल में दुनिया से चले गए, सिकंदर ने 27 की उम्र में दुनिया जीत ली थी।

कर सकते हैं, लेकिन यूथ को भी साइडलाइन नहीं कर सकते।

आदि शंकराचार्य 33 साल की उम्र में नाम करके चले गए थे। विवेकानंद 36 साल में दुनिया से चले

गए थे, सिकंदर 27 साल की उम्र में दुनिया जीतकर चला गया था। नौजवानों ने रिजल्ट दिए हैं।" गुढ़ा ने कहा कि "पायलट का समय जल्दी आएगा। पायलट सीएम बनेंगे।

अध्यक्ष के चुनाव के बाद पायलट का समय आएगा। जो नेता पहले कह रहे थे कि आलाकमान को नहीं मानेंगे, आज वे माफी मांग रहे हैं। हमारे सचेतक को ले लीजिए, धारीवाल को ले लीजिए और धर्मेश राठौड़ को ले लीजिए अब माफी मांग रहे हैं। मैं अपने स्टैंड पर कायम हूँ।"

मुख्यमंत्री द्वारा बार-बार रणडौड़ की बातें कहे जाने को लेकर मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि "मुख्यमंत्री कुछ कह रहे हैं तो उसका मतलब होगा, लेकिन मैं तो खुद खूब रणडौड़ कर चुका हूँ, इसलिए मुझे चिंता नहीं है।"

नया अध्यक्ष...

■ (प्रथम पृष्ठ का शेष) चुनाव में कांग्रेस के बुजुर्ग नेता मल्लिकार्जुन खड़गे (80), पार्टी सांसद शशि थरूर (65) को बड़ी आसानी से हरा देंगे। खड़गे के सबसे प्रिय होने का कारण यह है कि वे गांधी परिवार के नजदीक माने जाते हैं तथा अधिकांश वरिष्ठ नेता उनका समर्थन कर रहे हैं, जबकि थरूर ने स्वयं को परिवर्तनवादी उम्मीदवार के रूप में पेश किया है, जबकि 9000 से अधिक प्रतिनिधियों में परिवर्तन को गृहण एवं स्वीकार करने वाला चन्द लोगों के अलावा और कोई भी नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी तथा उनकी पुत्री एवं ए.आई.सी.सी. महासचिव प्रियंका गांधी वाड़ा ने ए.आई.सी.सी. मुख्यालय में बनाये गये मतदान केन्द्र में अपने वोट डाले। सोनिया ने कहा कि "वे लम्बे समय से इस स्थिति का प्रतीक्षा कर रही थीं कि कोई गैर-गांधी नेता अब पार्टी को संभाले।"

लेकिन, अभी तक नये अध्यक्ष को आसनारूढ़ करने के लिये तथा कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सी.डब्ल्यू.सी.) चुनाव कराने के लिये, ए.आई.सी.सी. के अधिवेशन की कोई तिथि तय नहीं हुई है।

137 साल पुरानी कांग्रेस में मात्र 6 बार ही हुआ अध्यक्ष का चुनाव

इस बार पार्टी के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे का अध्यक्ष बनना तय माना जा रहा है। खड़गे का मुकाबला केरल के सांसद शशि थरूर से है

■ -जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। सोमवार को होने वाला कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव पार्टी के 137 साल के इतिहास में इस पद के लिये होने वाला छठों चुनाव है। चुनाव में खड़े होने के लिये, राज्यसभा के विपक्ष के नेता पद से इस्तीफा देकर 80-वर्षीय मल्लिकार्जुन खड़गे, केरल सांसद शशि थरूर को तगड़ी शिकस्त देने की तैयारी में दिखाई दे रहे हैं। अगर अतीत में दो बार हुये उलटफेर जैसी किसी चीज की कोई संभावना दिखाई नहीं दे रही।

बहुत पहले, 1939 में हुये पहले चुनाव में, महात्मा गांधी-प्रति-पोषित उम्मीदवार पी. सीतारामैया, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस से हार गये थे। आजादी के बाद 1950 में हुये चुनाव में, प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू द्वारा प्रेरित-पोषित आचार्य कृपलानी, पुरुषोत्तम दास टंडन से हार गये थे। टंडन को सरदार वल्लभ भाई पटेल का समर्थन प्राप्त था।

1977 में, देवकान्त बरुआ, जिन्होंने पार्टी अध्यक्ष के रूप में "इंदिरा भारत है और भारत इंदिरा है" का नारा

■ कांग्रेस का पहला चुनाव 1939 में हुआ था, जब महात्मा गांधी समर्थित प्रत्याशी पट्टाभि सीतारामैया को सुभाष चन्द्र बोस ने हराया था।

■ आजादी के बाद 1950 में हुए चुनाव में नेहरू समर्थित आचार्य कृपलानी पुरुषोत्तम दास टंडन से हार गए थे।

दिया था, के इस्तीफे के बाद, के. ब्रह्मानन्द रेड्डी ने डॉ. करण सिंह तथा सिद्धार्थ शंकर राय को हरा दिया था। इसके बाद आगेले चुनाव की जरूरत 20 वर्ष बाद 1997 में पड़ी, जब ए.आई.सी.सी. कोषाध्यक्ष सीताराम केसरी ने त्रिकोणीय संघर्ष में शरद पवार एवं राजेश पायलट को हरा दिया था।

राज्यपाल व ...

■ (प्रथम पृष्ठ का शेष)

विश्वविद्यालय कानूनों में संशोधन का विधेयक है। इसके अन्तर्गत केरल के विश्वविद्यालयों में कुलपतियों के चयन में राज्य सरकार को प्रमुखता दी गई है और राज्यपाल से यह अधिकार छीन लिया गया है। सरकार के इस कदम को हलके में ना लेते हुए राज्यपाल ने इस विधेयक पर अपनी मंजूरी देने से इंकार कर सरकार के निर्णय को अवरोध कर दिया। इससे दोनों पक्षों के बीच और विवाद गहरा गया है।

कुछ मंत्रियों ने राज्यपाल की आलोचना करने के बाद सोमवार को राज्यपाल ने ट्वीट करके मंत्रियों को चेतावनी दी कि जो लोग राज्यपाल के पद की गरिमा कर रहे हैं उनके विरुद्ध कार्रवाई हो सकती है जिसमें मंत्री पद से हटाया जाना भी शामिल है। राज्यपाल के कार्यालय में एक ट्वीट के जरिए कहा कि "मुख्यमंत्री और उनकी मंत्रिमंडल को राज्यपाल को सलाह देने का पूरा अधिकार है, लेकिन कुछ मंत्रियों के बयान जो राज्यपाल पद की गरिमा गिराते हैं, पर कार्रवाई हो सकती है, जिसमें उनकी बर्खास्तगी भी शामिल है।"

राज्यपाल का यह रुख कि "जो नियुक्ति दे सकता है, वह पद से भी हटा सकता है", पर सी.पी.एम. और राज्य सरकार के मंत्रियों ने कठोर प्रतिक्रिया दी, उन्होंने कहा कि मंत्रियों को उनके ही राज्यपाल के पास कोई तानाशाही पूर्ण शक्तियां नहीं हैं। सी.पी.एम. के पोलित ब्यूरो ने कहा कि संविधान ने राज्यपाल को ऐसी अधिनायकवादी शक्तियां नहीं दी हैं। वास्तव में, पोलित ब्यूरो ने कहा कि राज्यपाल का बयान सिर्फ उनका राजनीतिक खुलाका और प्ल.डो.एफ. सरकार के प्रति उनका बैरभाव दर्शाता है। पोलित ब्यूरो ने इस मामले में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हस्तक्षेप की मांग करते हुए यह सुनिश्चित करना चाहा कि राज्यपाल ऐसे गैर संबैधानिक और गैर लोकतांत्रिक बयान ना दें।

उन्होंने आगे लिखा था, "मेरे विचार से तो ऐसा करके हम इस स्वर्गीय जनप्रतिनिधि को श्रद्धांजलि दे रहे होंगे। ऐसा करना हमारे महाराष्ट्र की महान संस्कृति के अनुरूप भी होगा आशा

रखा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने हथियारों के बड़े आयातक से 25 बड़े निर्यात देशों में शामिल होने की यात्रा तय की है और आने वाले महीनों में देश का रक्षा निर्यात 20 हजार करोड़ रूप के पात्र कर जाएगा। सिंह ने आज यहां गांधीनगर में आयोजित रक्षा प्रदर्शनी से संबंधित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में हथियारों के तथा अन्य रक्षा उत्पादों के सबसे बड़े आयातक की पहचान को पीछे छोड़ कर हथियारों का बड़ा निर्यातक देश बनने की यात्रा तय की है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष केवल छह महीनों में भारत ने 8000

राज ठाकरे व शरद पवार का ...

■ (प्रथम पृष्ठ का शेष)

समर्थन देना चाहिये ताकि वे चुनाव जीत जायें।

यह बात सबसे पहले राज ठाकरे ने उठाई थी। राज ठाकरे ने उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस को संबोधित पत्र में लिखा था, "प्रिय मित्र देवेन्द्र, स्व. रमेश लटके की मृत्यु के बाद, उनकी पत्नी रतुजा लटके चुनाव लड़ रही हैं। मैं रमेश लटके की एक कार्यकर्ता से लेकर विधायक तक की यात्रा का मैं साक्षी रहा हूँ। उनकी मृत्यु के बाद, उनकी पत्नी का विधायक चुना जाना स्वर्गीय आत्मा के प्रति श्रद्धांजलि होगी।"

उन्होंने आगे लिखा था, "मेरे विचार से तो ऐसा करके हम इस स्वर्गीय जनप्रतिनिधि को श्रद्धांजलि दे रहे होंगे। ऐसा करना हमारे महाराष्ट्र की महान संस्कृति के अनुरूप भी होगा आशा

‘हथियारों के आयातक से निर्यातक बना भारत’

अहमदाबाद 17 अक्टूबर (वार्ता) रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने हथियारों के बड़े आयातक से 25 बड़े निर्यात देशों में शामिल होने की यात्रा तय की है और आने वाले महीनों में देश का रक्षा निर्यात 20 हजार करोड़ रूप के पात्र कर जाएगा। सिंह ने आज यहां गांधीनगर में आयोजित रक्षा प्रदर्शनी से संबंधित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में हथियारों के तथा अन्य रक्षा उत्पादों के सबसे बड़े आयातक की पहचान को पीछे छोड़ कर हथियारों का बड़ा निर्यातक देश बनने की यात्रा तय की है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष केवल छह महीनों में भारत ने 8000

महाराष्ट्र तथा उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों के अलावा, कांग्रेस की सभी राज्य इकाइयों ने केसरी का समर्थन किया था, जिसके फलस्वरूप उन्हें पार्टी प्रतिनिधियों के 6224 वोट मिले थे, जबकि पवार मात्र 882 वोटों तक सीमित रह गये थे और पायलट को उनसे भी बहुत कम, मात्र 354 वोट ही मिले थे। एक अन्य चुनाव 2000 में हुआ था। यह पहला और एकमात्र अवसर था, जब गांधी-परिवार के किसी व्यक्ति को चुनाव में चुनौती दी गई थी, लेकिन वह चुनौती सफल नहीं हो पाई थी क्योंकि जितेन्द्र प्रसाद, जो ए.आई.सी.सी. के उपाध्यक्ष थे, को सोनिया गांधी को हरा करार हार हुई थी। सोनिया गांधी ने 7400 से ज्यादा वोट अर्जित किये थे, जबकि प्रसाद को मात्र 94 वोट मिले बताये जाते हैं।

लेकिन शशि थरूर ने हिम्मत नहीं हारी है, जबकि सारी स्थितियाँ-परिस्थितियाँ उनके प्रतिकूल हैं। उन्होंने रिवार को चुनाव अधिकारी को ज्ञापन देते हुये, उनके द्वारा प्रतिनिधियों से कहे जाने के प्रति विरोध जताया कि प्रतिनिधि जिस उम्मीदवार को वोट देना चाहते हैं,

उसके नाम के आगे "1" अंकित कर दें। उनके विरोध व्यक्त किये जाने का मूल कारण यह था कि यह निर्देश खड़गे की जीत की संभावनाओं को बढ़ाने का अप्रत्यक्ष तरीका है, क्योंकि खड़गे का नाम मतपत्र पर पहले नम्बर पर है। गुजरात के पूर्व सांसद मधुसूदन मिस्त्री ने चुनाव अधिकारी पर लगे इस आरोप को दूर करने के लिये तुरन्त कदम उठाया तथा निर्णय लिया कि प्रतिनिधि जिसे वोट देना चाहते हैं, उसके नाम पर टिक लगा दें।

खड़गे, जिन्हें गांधी-परिवार और पार्टी के इंकार के बावजूद, पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार के रूप में देखा जा रहा है, ने कहा कि पार्टी को चलाने के लिये सामूहिक नेतृत्व की जरूरत है। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार से सलाह लेने में कोई गलत बात नहीं है क्योंकि इस परिवार ने संघर्ष किया, कुर्बानियाँ दी हैं तथा पार्टी को खड़ा किया है। थरूर ने कहा है कि पार्टी को मजबूत करने के लिये राज्य कांग्रेस अध्यक्षों को अधिकार दिये जाने चाहिये। उन्होंने कहा कि ये लोग इंदिरा गांधी के समय से नजर अंदाज होते आ रहे हैं।

करता है कि आप मेरा अनुरोध स्वीकार कर लेंगे।"

राज ठाकरे के पत्र के जवाब में फडनवीस ने कहा कि यह निर्णय वे अकेले नहीं ले सकते।

इससे पूर्व पवार यह कह चुके थे, "नये सदस्य (विधायक) का कार्यकाल मात्र डेढ़ साल का होगा। यह उपचुनाव रमेश लटके की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु के कारण हो रहा है। उनके योगदान को ध्यान में रखा जाना चाहिये।"

इस भावनात्मक कदम से पहले टीम ठाकरे ने एकनाथ शिंदे गुट पर आरोप लगाते हुये कहा था कि शिंदे गुट उनके प्रत्याशी का खेल बिगाड़ने के लिये, मुंबई के स्थानीय प्रशासन को प्रभावित करके श्रीमती लटके के त्याग पत्र संबंधी काम में विलम्ब करा रहा है।

लटके, जो बृहन्मुम्बई म्युनिसिपल

कांफरेंशन (बी.एम.सी.) में क्लर्क थीं, इस उपचुनाव में अपना पर्चा तभी भर सकती थीं, जब कोई अदालत बी.एम.सी. को उनका त्याग पत्र स्वीकार करने का आदेश दे।

भाजपा लम्बे समय से राज ठाकरे को अपनी ओर खींचने की कोशिश कर रही थी क्योंकि उनके समर्थन में आगामी बी.एम.सी. चुनाव जीतने में पार्टी को मदद मिलने की संभावना थी। उद्धव ठाकरे के विरोधी चचेरे भाई ही अपील पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देकर भाजपा ने मुंबई के मतदाताओं को यह संकेत देने की कोशिश की है कि भाजपा के लिये उद्धव ठाकरे से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण राज ठाकरे हैं। सूत्रों का कहना है कि यह सब कुछ राज ठाकरे तथा उनके मित्र फडनवीस का मिला-जुला खेल था क्योंकि भाजपा का मानना था कि उसके लिये अंधेरी (पूर्व) जीतना पक्का नहीं है क्योंकि शिव सेना के उम्मीदवार के प्रति जनता की अपार सहानुभूति है तथा एन.सी.पी., कांग्रेस, वाम दल तथा अन्य राजनैतिक संगठन उनका समर्थन कर रहे हैं।

इस प्रकार, भाजपा ने एक तीर से दो निशाने साधे हैं- जहाँ उसने अपनी संभावित पराजय को शर्म से बचा लिया है, वहीं उसने राज ठाकरे पर भी एक एहसान थोपा दिया है।

खिलाड़िया...

■ (प्रथम पृष्ठ का शेष) टरकाया जा रहा है, ऐसे प्रतिभावान खिलाड़ियों के साथ यह धिनीना पत्राजक है। सराफ ने मुख्यमंत्री से मांग की व खिलाड़ियों को दिए गए चैक की राशि का भुगतान तुरंत किया जाये, एवं दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, जिससे पवित्र्य में इस प्रकार की पुनरावृत्ति ना हो।

नकाबपोश बदमाशों ने बैंक लूटा

सपोटरा/करोली, 17 अक्टूबर (नि.सं।) सपोटरा के अमरगढ़ कस्बे में स्थित पंजाब नेशनल बैंक में सोमवार को दोपहर 3 बजे के करीब तीन नकाबपोश बदमाशों ने 4 लाख रूपए लूट लिए। हथियारों से लैस बदमाशों ने उपभोक्ताओं को बाहर निकालकर बैंक कर्मचारियों पर रिवॉल्वर तान दी और बैंक में फायर किया।

बैंक कैशियर दराराम मोणा दाएं पैर में गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। पास में खड़े वसुली घेंचल कुंजबिहारी के ऊपर भी बदमाशों ने फायर किया, गोली कुंज बिहारी के कंधे को छूती हुई निकल गई जिससे कुंज बिहारी भी घायल हो गया।

उधर शाखा प्रबंधक नमोनारायण मोणा को भी बदमाशों ने रिवॉल्वर दिखाई व बैंक से करीब 4 लाख रूपए लूट कर ले गए। घटना की खबर हवा की तरह कस्बे में फैल गई। घायल कैशियर, वसुली एजेंट को सपोटरा अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार देकर उन्हें करौली रैफर कर दिया गया। वहीं करौली अस्पताल में कैशियर दराराम मोणा को भर्ती कर उपचार किया।

सूचना मिलते ही भरतपुर से बैंक के सर्किल हैड राजेंद्र सिंह राठौड़, जिला समन्वयक विनय कुमार मोणा, यूनिट

सेक्रेटरी भजन लाल मोणा, अमरगढ़

■ रिवाँल्वर से फायर कर बैंक कैशियर सहित वसुली एजेंट को घायल किया।

■ बताया जाता है कि, डकैत चार लाख रूपए लूट ले गए।

शाखा प्रबंधक नमोनारायण मोणा, करौली सामान्य चिकित्सालय पहुंचे। वहीं उन्होंने घायल कैशियर से पूरी घटना की जानकारी ली। उधर शाखा प्रबंधक ने सपोटरा थाने पर घटना की रिपोर्ट दी।

तीन दिन पहले करौली जिला मुख्यालय स्थित क्षेत्रीय अरावली बड़ौदा ग्रामीण बैंक, अनाज मंडी, में रोशनदान की जाली काटकर अंदर प्रवेश कर बदमाशों ने बैंक को लूटने का काफी प्रयास किया। शाखा प्रबंधक नमोनारायण मोणा ने घटना की जानकारी दी। घटना की सूचना पर सपोटरा थाना पुलिस, जिला पुलिस अधीक्षक नारायण टोगस और अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक सुरेश चंद भी मौके पर पहुंचे।